ड्रोन एक्सपो 2022: ड्रोन ने आपातकाल में जीवनरक्षक बनने का किया प्रदर्शन

सिंचाई और खेती में है मददगार

50 से अधिक निमार्ताओं ने ड्रोन की क्षमताओं को दिखाया

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के आईस्टार्ट राजस्थान के तहत गुरुवार को झालाना सांस्थानिक क्षेत्र स्थित टेक्नो हब में हुए ड्रोन एक्सपो-2022 में 50 से अधिक ड्रोन निमार्ताओं ने अपने ड्रोन की क्षमताओं का प्रदर्शन किया। किसी ने बाढ़ या समुद्र के भीतर आपातकालीन परिस्थितियों में ड्रोन के जीवनरक्षक बनने को दिखाया तो किसी ने आसमान में एरोबेटिक्स दिखाकर सिंचाई और खेती में इसके मददगार बनने की क्षमताओं को प्रदर्शित किया। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के अनुसार राज्य सरकार इस वर्ष विभिन्न विभागों के लिए एक हजार ड्रोन खरीदने की योजना बना रही है।

यह दिए निर्देश

विभाग के प्रमुख सचिव अखिल अरोड़ा ने ड्रोन प्रदर्शनी का देखा और निमार्ताओं से उनके उपयोग को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को ड्रोन का उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इससे पहले आयुक्त संदेश नायक ने कार्यक्रम का उद्घाटन कर अपने विचार साझा किए। उन्होंने किसानों के लिए ड्रोन तकनीक के महत्व पर कहा कि ड्रोन न केवल सिंचाई और कीटनाशक छिड़काव में मदद कर सकते हैं, बल्कि प्रतिकूल मौसम और परिस्थितियों के कारण होने वाले नुकसान का सर्वेक्षण करने में भी कृषि विभाग के लिए मददगार हो सकते हैं। ड्रोन निगरानी और सुरक्षा में पुलिस विभाग, जल संसाधन विभाग, वन्यजीव व अन्य विभागों की भी मदद कर सकते हैं।

राजस्थान नीति आयोग के साथ डब्ल्यूईपी साझेदारी करने वाला पहला राज्य

विभाग ने राज्य में स्टार्टअप इको सिस्टम का विस्तार करने के लिए नीति आयोग, एचडीएफसी बैंक, पीएचडी चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स और फिक्की एफएलओ, आईसीआईसीआई बैंक, अमेजॉन (एडब्ल्यूएस) के साथ भागीदारी की है। नीति आयोग से वरिष्ठ सलाहकार एना रॉय ने अवगत कराया कि राजस्थान नीति आयोग के साथ वुमन एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम (डब्ल्यूईपी) साझेदारी करने वाला पहला राज्य है, जिससे प्रदेश की महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन व सरकार द्वारा दी जाने वाली अनेक सुविधाओं का लाभ मिलेगा।